

# 125 Years of RajBhawan Nainital

Uttarakhand is among the few Indian states that boast two Raj Bhawans, with the first in the state capital, Dehradun and the second one located in the picturesque hill station of Nainital. This historic edifice, originally known as the “Government House,” was constructed during the British colonial era when Nainital served as the summer capital of the United Provinces (now Uttar Pradesh). Designed in the Victorian Gothic style, reminiscent of a Scottish castle, the foundation stone was laid on April 27, 1897, and the construction was completed in 1899.

The Raj Bhawan was designed by architect F.W. Stevens and executive engineer F.O.W. Ortel. Spanning over 200 acres, the two-story mansion comprises 113 rooms. The construction utilized local stones with Ashlar finishing and incorporated Burma teak along with other varieties of teak wood. The building’s design showcases European patterns and Gothic architecture, featuring intricate woodwork, arched windows, and steeply pitched roofs.

Throughout its history, the Raj Bhawan has hosted several notable figures. In the pre-independence era, it served as the residence for British Governors of the United Provinces, including Sir Antony MacDonnell, Sir James, Sir John Misten, and Sir Harcourt Butler. Post-independence, Smt. Sarojini Naidu, the first Governor of Uttar Pradesh, was the first Indian occupant of this historic monument.

Adjacent to the Raj Bhawan lies approximately 160 acres of forested land, home to a diverse range

of flora and fauna . The estate’s lush greenery and serene environment make it a haven for nature enthusiasts and contribute to its tranquil ambiance.

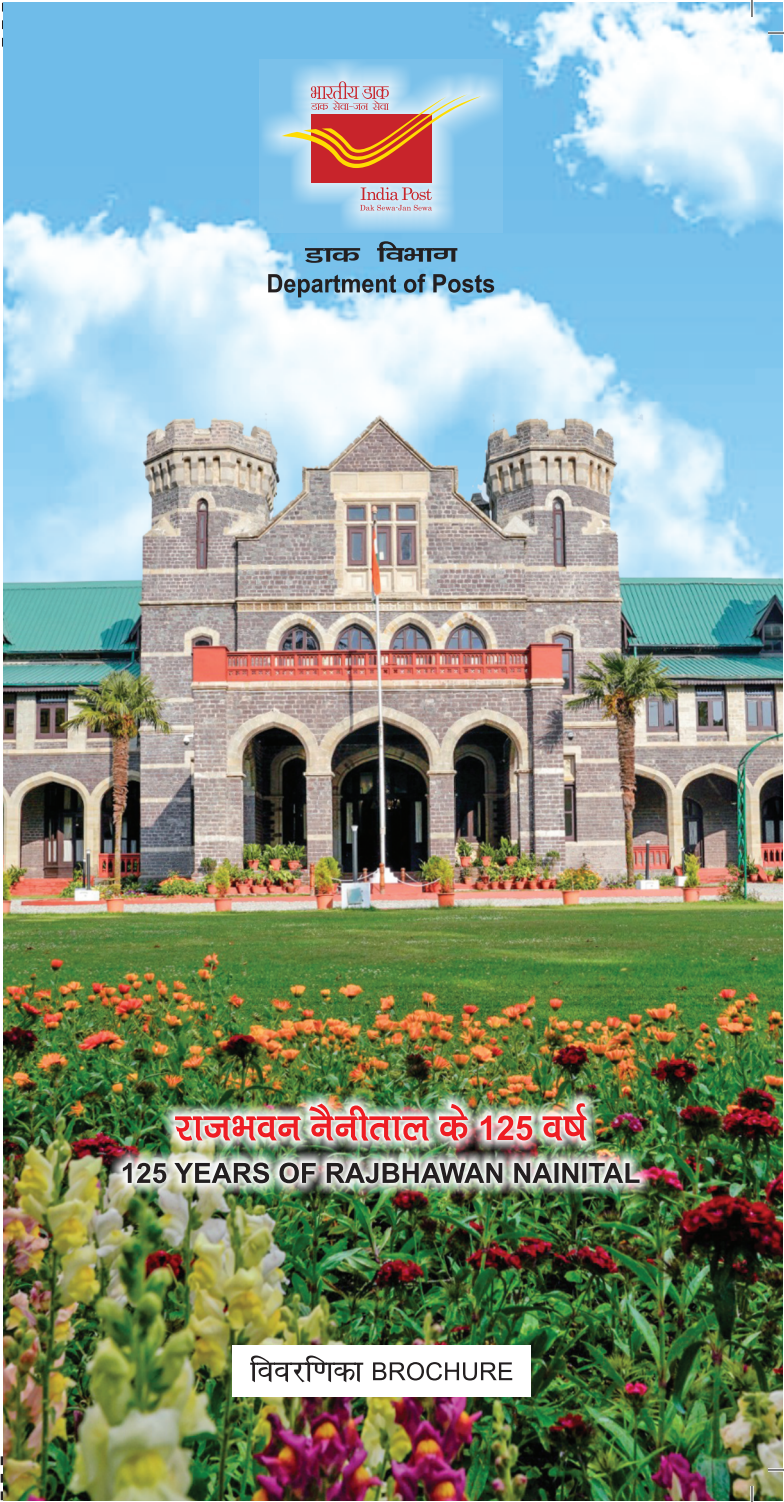
One of the estate’s prominent features is its vintage golf course, spread over 45 acres. Established in 1936, it is one of India’s oldest golf courses and is affiliated with the Indian Golf Union.

The Raj Bhawan is open to visitors, offering guided tours of select areas. Tourists can also enjoy a game of golf by paying a nominal green fee. The estate’s sprawling lawns, bonsai garden, and rich floral species add to its allure, making it a must-visit destination for history buffs and nature lovers alike.

The Department of Posts is proud to release a Commemorative Postage Stamp honouring the rich history, legacy, and architectural grandeur of Raj Bhawan, Nainital, a heritage landmark that adds timeless charm to the hills.

**Credits:**

Stamp/FDC/Brochure/ : Sh. Brahm Prakash  
Cancellation Cachet  
Text : Based on information provided by the proponent.



## राजभवन नैनीताल के 125 वर्ष

उत्तराखण्ड भारत के उन चुनिंदा राज्यों में से एक है, जिसके दो राजभवन हैं। इस राज्य का पहला राजभवन इसकी राजधानी देहरादून में और दूसरा वहां के मनोरम पर्वतीय स्थल नैनीताल में स्थित है। नैनीताल स्थित ऐतिहासिक राजभवन को पहले “गवर्नमेंट हाउस” के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण ब्रिटिश काल के दौरान किया गया। उस समय नैनीताल, तत्कालीन यूनाइटेड प्रोविंस (अब उत्तर प्रदेश) की ग्रीष्मकालीन राजधानी था। विक्टोरियन गॉथिक शैली में निर्मित तथा स्कॉटिश किले जैसे दिखने वाले इस भवन की आधारशिला 27 अप्रैल 1897 को रखी गई और इसका निर्माण कार्य 1899 में पूरा हुआ।

इस राजभवन का डिजाइन वास्तुकार एफ. डब्ल्यू. स्टीवंस और कार्यकारी अभियंता एफ.ओ.डब्ल्यू. ऑर्टेल ने तैयार किया था। 200 एकड़ से भी अधिक भूभाग में फैले इस दो मंजिला भवन में 113 कमरे हैं। इसके निर्माण में एशालर फिनिशिंग वाले चौकोर स्थानीय पत्थरों और बर्मा टीक के साथ-साथ सागौन की अन्य किस्मों की लकड़ी का भी इस्तेमाल किया गया है। लकड़ी पर की गई महीन नक्काशी, मेहराबदार खिड़कियों और ढलवां छतों वाले इस भवन का डिजाइन यूरोपीय पैटर्न और गॉथिक वास्तुकला का एक शानदार नमूना है।

इस ऐतिहासिक राजभवन ने अनेक महान हस्तियों की मेजबानी की है। स्वतंत्रता-पूर्व के कालखंड में यह यूनाइटेड प्रोविंस के ब्रिटिश गवर्नरों सर एंटनी मैकडोनेल, सर जेम्स, सर जॉन मिस्टेन और सर हरकोर्ट बटलर का निवास स्थान रहा। स्वतंत्रता के बाद, उत्तर प्रदेश की पहली राज्यपाल श्रीमती सरोजिनी नायडू इस ऐतिहासिक भवन की पहली भारतीय निवासी थीं।

इस राजभवन से लगते हुए लगभग 160 एकड़ के वन्य क्षेत्र में विविध प्रकार की वनस्पतियां और जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां की मनोरम हरीतिमा और मनमोहक वातावरण, प्रकृति

प्रेमियों को अद्भुत आनंद की अनुभूति प्रदान करते हैं और यहां के प्रशांत वातावरण को और भी अधिक आलौकिक बनाते हैं।

इस भवन के परिक्षेत्र का प्रमुख आकर्षण यहां का पुराना गोल्फ कोर्स है, जो 45 एकड़ से भी अधिक के क्षेत्र में फैला है। 1936 में स्थापित यह गोल्फ कोर्स, देश के सबसे पुराने गोल्फ कोर्सों में से एक है।

यह राजभवन आगंतुकों के लिए खुला है। यहां आने वाले पर्यटक, गाइड के साथ इसके चुनिंदा हिस्सों का भ्रमण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटक मामूली सी ‘ग्रीन फीस’ का भुगतान कर गोल्फ के खेल का भी आनंद ले सकते हैं। इस राजभवन में स्थित घास के बड़े-बड़े मैदान, बोनसाई उद्यान और विभिन्न प्रजातियों के फूल इसके आकर्षण को दोगुना कर देते हैं। इस प्रकार, यह राजभवन न केवल इतिहास प्रेमियों बल्कि प्रकृति प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।

डाक विभाग, नैनीताल की मनोरम वादियों को चिरकालिक आकर्षण प्रदान करने वाले उत्तराखण्ड के इस राजभवन के समृद्ध इतिहास, विरासत और स्थापत्य कला की भव्यता को रेखांकित करते हुए और इस पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

### आभार:

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ : श्री ब्रह्म प्रकाश

विरूपण केश

पाठ

: प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त  
सामग्री से संदर्भित

## तकनीकी आंकड़े

### TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रितडाक-टिकटें	: 304400
Stamps Printed	: 304400
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at [http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY\\_3D.html](http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html)

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00